RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 166
दि. 15.10.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

भारत और मंगोलिया के बीच संबंध महज कूटनीतिक संबंध से कहीं अधिक है : पीएम मोदी

नयी दिल्ली, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना ने मंगलवार को विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। बातचीत के दौरान मंगोलिया से भारत को यूरेनियम की संभावित आपूर्ति और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के कदमों पर चर्चा की गई।

मोदी और उखना की बातचीत के बाद दोनों देशों ने डिजिटल समाधान, खनिज संसाधनों की खोज और त्वरित प्रभाव परियोजनाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

दोनों नेताओं की बातचीत के प्रमुख विषयों में मंगोलिया में भारत की सहायता से 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की तेल रिफाइनरी परियोजना तथा दोनों देशों के बीच समग्र ऊर्जा संबंधों को बढ़ाने के तरीके शामिल थे।

उखना चार दिवसीय भारत यात्रा पर सोमवार को नयी दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

उखना के साथ बातचीत के बाद मोदी ने कहा कि भारत मंगोलिया के लोगों को मुफ्त ई-वीजा उपलब्ध कराएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत की 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता से कार्यान्वित तेल रिफाइनरी परियोजना मंगोलिया की ऊर्जा सुरक्षा को नयी मजबूती प्रदान करेगी।'

उन्होंने कहा कि यह भारत की विश्व में सबसे बड़ी विकास साझेदारी परियोजना है और 2500 से भी अधिक भारतीय पेशेवर मंगोलिया के साथियों के साथ मिलकर इस परियोजना को साकार कर रहें हैं।

मोदी ने कहा, 'हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर घनिष्ठ साझेदार के रूप में खड़े हैं और एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करते हैं। साथ मिलकर, हम वैश्विक दक्षिण की आवाज को बुलंद करने के लिए भी काम करते हैं।'

वहीं, मंगोलिया के राष्ट्रपति ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका की सराहना की तथा विशेष रूप से नयी दिल्ली के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का उल्लेख किया।

अपने मीडिया वक्तव्य में मोदी ने यह भी कहा कि भारत और मंगोलिया के बीच संबंध महज कूटनीतिक संबंध से कहीं अधिक है।

उन्होंने कहा, 'यह एक गहरा, आत्मीय और आध्यात्मिक बंधन है। हमारी साझेदारी की गहराई और दायरा हमारे लोगों के बीच संबंधों में परिलक्षित होता है।'

उन्होंने कहा, 'सदियों से दोनों देश बौद्ध धर्म के सिद्धांतों से बंधे हुए हैं, यही कारण है कि हमें आध्यात्मिक सहोदर भी कहा जाता है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि उखना के साथ हुई बातचीत में दोनों देशों के बीच इस परंपरा और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मोदी ने कहा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी है कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों — सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेषों को भारत से मंगोलिया भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत 'गंदन' बौद्ध मठ में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेगा, ताकि वहां के बौद्ध ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया जा सके और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके।

उन्होंने कहा, 'हमने 10 लाख प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण की परियोजना को भी शीघ्र ही शुरू करने का निर्णय लिया है। मंगोलिया में बौद्ध धर्म के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की अहम भूमिका रही है। और आज हमने तय किया है कि नालंदा और 'गंदन मठ' को साथ जोड़कर हम इन ऐतिहासिक संबधों में एक नयी उर्जा लायेंगे।'

उन्होंने कहा, 'लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद और मंगोलिया के आर-खांगाय प्रांत के बीच हुए समझौता ज्ञापन से हमारे सांस्कृतिक संबंधों को एक नयी ऊर्जा मिलेगी।'

मोदी ने कहा कि मंगोलिया की विकास गाथा में भारत एक 'दृढ़ और विश्वसनीय' साझेदार रहा है।

दोनों देशों के बीच साझेदारी रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा, खनन, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में फैली हुई है।

उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि हमारा निजी क्षेत्र भी ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों, दुर्लभ खनिजों, डिजिटल, खनन, कृषि, डेरी और सहकारिता जैसे क्षेत्रों में सहयोग की नयी संभावनाएं तलाश रहा है।'

मोदी ने कहा, 'हमारे संबंध दो प्राचीन सभ्यताओं के बीच विश्वास और मैत्री की ठोस नींव पर टिके हैं। साझी सांस्कृतिक विरासत, लोकतान्त्रिक मूल्यों और विकास के लिए साझी प्रतिबद्धता इन्हें सींचती है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि हम साथ मिलकर इस रणनीतिक साझेदारी को एक नयी ऊंचाई पर ले जाएंगे।'

दीपावली से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की बोनस के बाद अब डीए बढ़ाने की तैयारी

लखनऊ। दीपावली से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 14.82 लाख अराजपत्रित कर्मचारियों को बोनस देने का ऐलान किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए घोषित यह बोनस मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा 7,000 रुपये के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों के बराबर होगा। प्रत्येक कर्मचारी को लगभग 6,908 रुपये बोनस के रूप में मिलेंगे। सीएम की घोषणा के बाद वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने शासनादेश भी जारी कर दिया है।

किन्हें मिलेगा बोनस

यह लाभ उन सभी पूर्णकालिक अराजपत्रित कर्मचारियों को मिलेगा जिनका वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 (47,600-1,51,100 रुपये) तक और ग्रेड वेतन 4,800 रुपये तक है। इसके अलावा यह सुविधा राज्य विभागों के कार्यप्रभारित, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं तकनीकी शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों और जिला पंचायत कर्मचारियों को भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उज्ज्वला योजना का शुभारंभ करेंगे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत महिला लाभार्थियों को वर्ष में दो बार निशुल्क रसोई गैस उपलब्ध कराये जाने की योजना का शुभारंभ करेंगे। इससे त्यौहारों के दौरान राज्य की एक करोड़ 86 लाख महिलाओं को राहत मिलेगी। नई योजना के तहत प्रत्येक वर्ष दो बार एलपीजी सिलेंडर निशुल्क भरा जायेगा। पहला चरण अक्टूबर से दिसंबर तक और दूसरा अगले वर्ष जनवरी से मार्च तक चलेगा। राज्य सरकार इस पर 1,500 करोड़ रुपये व्यय करेगी। पहले चरण में आधार पहचान से सत्यापित एक करोड़ 23 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। उत्तर प्रदेश इस योजना को लागू करने वाला अग्रणी राज्य है। प्रदेश में एक करोड़ 86 लाख परिवारों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है।

उत्तराखंड : नेपाली, भूटानी, तिब्बती लोगों के भी होंगे विवाह रजिस्ट्रेशन, जानिए कौन से सर्टिफिकेट जरुरी

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में धामी सरकार ने अब समान नागरिक संहिता में विवाह पंजीकरण में आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए कदम उठाया है। कैबिनेट ने ऑनलाइन विवाह पंजीकरण में संशोधन को मंजूरी दे दी है। यूसीसी के तहत उत्तराखंड में नेपाली, भूटानी और तिब्बती दस्तावेजों के साथ विवाह पंजीकरण की अनुमति दी गई है।

समान नागरिक संहिता यूसीसी में पंजीकरण के लिए अभी आधार कार्ड की व्यवस्था रखी गई है। जिससे कुछ लोगों को विवाह के रजिस्ट्रेशन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर नेपाली, भूटानी एवं तिब्बती मूल के लोगों के लिए इसमें परेशानी हो रही थी।

प्रदेश में नेपाली, भूटानी और तिब्बती मूल के लोगों की भी खासी संख्या है। जो कि या तो यहां विवाह करते हैं या इन जगहों से शादी करते हैं। ऐसे में इन लोगों के लिए अब नियम में बदलाव किए गए हैं। इनको आधार के अलावा अब नेपाल, भूटान के नागरिकों के लिए नेपाली एवं भूटानी नागरिकता प्रमाण पत्र, एवं 182 दिनों से अधिक के प्रवास के लिए भारत में नेपाली मिशन/रॉयल भूटानी मिशन द्वारा जारी प्रमाणपत्र दिखाना होगा। वहीं तिब्बती मूल के व्यक्तियों के लिए विदेशी पंजीकरण अधिकारी द्वारा जारी वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र को अनुमन्य किया जाएगा।

बीते सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक आयोजित हुई। बैठक में यूसीसी के तहत नेपाली, भूटानी और तिब्बती दस्तावेजों के साथ विवाह पंजीकरण की अनुमति दी गई है। कैबिनेट बैठक के बाद, राज्य के गृह सचिव शैलेश बगोली ने कहा कि यूसीसी (समान नागरिक संहिता) के तहत ऑनलाइन विवाह पंजीकरण के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है, लेकिन उत्तराखंड में रहने वाले नेपाली, भूटानी और तिब्बती मूल के लोगों को शामिल करने के लिए एक संशोधन को मंजूरी दे दी गई है।

नेपाली, भूटानी, तिब्बती के लिए प्रमाण पत्र

उन्होंने कहा कि आधार के अलावा, नेपाल और भूटान द्वारा जारी नागरिकता प्रमाण पत्र, और 182 दिनों से अधिक समय से भारत में रहने वालों के लिए नेपाली मिशन या भारत में रॉयल भूटान मिशन द्वारा जारी प्रमाण पत्र भी अब स्वीकार किए जाएँगे। तिब्बती मूल के व्यक्तियों के लिए, विदेशी पंजीकरण अधिकारी द्वारा जारी वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र ही मान्य माना जाएगा।

नेपाली या भूटान के नागरिकों के लिए-

नेपाली एवं भूटानी नागरिकता प्रमाण पत्र

182 दिनों से अधिक के प्रवास के लिए भारत में नेपाली मिशन/रॉयल भूटानी मिशन द्वारा जारी प्रमाणपत्र

तिब्बती मूल के व्यक्तियों के लिए

विदेशी पंजीकरण अधिकारी द्वारा जारी वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र

संक्षिप्त समाचार

147 सालों में जो नहीं हुआ वह अब हो गया, भारतीय टीम ने बनाया टेस्ट इतिहास का सबसे धांसू रिकॉर्ड

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना दबदबा कायम रखते हुए टेस्ट सीरीज में 2-0 की निर्णायक जीत हासिल की। दिल्ली में दूसरे टेस्ट के पांचवें दिन भारत को मात्र 58 रनों की जरूरत थी, जिसे टीम ने सहजता से हासिल करते हुए मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। इससे पहले, पहले टेस्ट में भारत ने वेस्टइंडीज को पारी और बड़े अंतर से हराया था। यह जीत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) चक्र में चौथी सफलता रही। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज 2-2 से ड्रॉ की थी, और अब वेस्टइंडीज पर इस क्लीन स्वीप के साथ भारत अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

भारतीय टीम ऐसी पहली टीम बन गई है जिसने एक टीम के खिलाफ लगातार दस टेस्ट सीरीज में जीत दर्ज की है। एक कीर्तिमान इसलिए और ज्यादा खास हो जाता है क्योंकि टीम इंडिया ने सभी टेस्ट सीरीज में एक भी मुकाबला नहीं हारा है। 147 सालों के टेस्ट इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

चलती एसी बस बनी आग का गोला, 15 झुलसे-10 की मौत की आशंका, बच्चों ने लगाई छलांग!

राजस्थान के जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर मंगलवार दोपहर एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। जैसलमेर से जोधपुर जा रही एक अउ स्लीपर बस अचानक आग का गोला बन गई। बस में सवार 57 यात्रियों में से 15 के गंभीररूप से झुलसने की खबर सामने आई है, जिनमें 3 मासूम बच्चे और 4 महिलाएं शामिल हैं। आग की लपटों से घिरे यात्रियों ने जान बचाने के लिए चलती बस से छलांग लगा दी। नगर परिषद के असिस्टेंट फायर ऑफिसर कृष्णपाल सिंह राठौड़ के मुताबिक, 10-12 लोगों की जलने से मौत की आशंका है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई मृतक की पुष्टि नहीं हुई है।

टूट के कगार पर महागठबंधन! कांग्रेस ने कर दिया बड़ा ऐलान, टेंशन में तेजस्वी ने वापस लिए सिंबल

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले विपक्षी महागठबंधन (एमजीबी) के भीतर सीट शेयरिंग को लेकर मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। कांग्रेस ने अब राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर दबाव बनाते हुए अपने नेताओं से राज्य की सभी 243 सीटों पर संभावित उम्मीदवारों की सूची तैयार करने को कहा है। इस निर्देश से साफ है कि पार्टी इस बार किसी भी तरह के समझौते के मूड में नहीं है, और वह सीटों की "क्वालिटी" पर समझौता नहीं करना चाहती, बल्कि उन सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है जहां उसका संगठन मजबूत है।

कांग्रेस के इस 'बड़े ऐलान' के बाद आरजेडी में हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। सोमवार देर शाम लालू यादव ने संभावित उम्मीदवारों को सिंबल बांट दिए थे, लेकिन तेजस्वी यादव के दिल्ली से पटना लौटते ही आधी रात को उन सिंबलों को वापस ले लिया गया। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस की नाराजगी के मैसेज के बाद ही तेजस्वी ने यह कदम उठाया।

सूत्रों के मुताबिक, सोमवार देर रात दिल्ली स्थित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बिहार कांग्रेस नेताओं की एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में शकील अहमद, राजेश राम, कृष्णा अल्लावरू, नासिर हुसैन और केसी वेणुगोपाल जैसे कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। नेताओं को दिल्ली में ही रुकने का निर्देश दिया गया ताकि सीट शेयरिंग पर किसी भी समय हाईकमान की समीक्षा बैठक बुलाई जा सके। बैठक में पार्टी ने स्पष्ट किया कि "अबकी बार सीटों की क्वालिटी पर कोई समझौता नहीं होगा।'

हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन अगर हमारी सीमाओं या नागरिकों पर हमला हुआ, तो जवाब तय है : लेफ्टिनेंट जनरल घोई

(जीएनएस)।

सेना के महानिदेशक सैन्य अभियान लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घोई ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की तैयारी, पाकिस्तान की नापाक हरकतों और भारत की जवाबी कार्रवाई पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सेना उस समय बहुत दबाव में थी, और अपनी छवि बचाने के लिए उन्होंने LOC पर कायराना कदम उठाया।

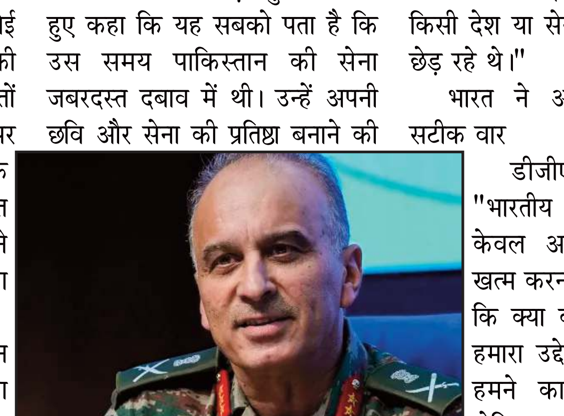

हालांकि, भारतीय सेना ने न सिर्फ आतंकियों को निशाना बनाया बल्कि संभावित हमले के हर पहलू के लिए पहले से तैयारी थी। हमने पाकिस्तान की हर चाल का पहले से ही मजबूत प्लानिंग की थी ताकि दुश्मन को पहले ही ढ़ेर किया जा सके।

पाकिस्तान सेना दबाव में थी

लेफ्टिनेंट जनरल घोई ने भारतीय सेना की तैयारी पर बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि यह सबको पता है कि उस समय पाकिस्तान की सेना जबरदस्त दबाव में थी। उन्हें अपनी छवि और सेना की प्रतिष्ठा बनाने की जरूरत थी। इसके लिए उन्होंने वही किया जो वे हमेशा करते हैं - एक कायराना हमला। लेकिन भारतीय सेना की प्रतिक्रिया अपरिहार्य थी। उन्होंने कहा कि भारत ने बहुत स्पष्ट लक्ष्य तय किए थे - "हम आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे थे, न कि किसी देश या सेना के खिलाफ युद्ध छेड़ रहे थे।"

भारत ने आतंकियों पर किए सटीक वार

डीजीएमओ कहते हैं, "भारतीय सेना का मकसद केवल आतंकी ठिकानों को खत्म करना था। हम जानते थे कि क्या करना है। जब तक हमारा उद्देश्य पूरा नहीं हुआ, हमने कार्रवाई जारी रखी। लेकिन हमारा इरादा स्थिति को और भड़काने का नहीं था, जब तक हमें ऐसा करने के लिए मजबूर न किया जाए। उन्होंने बताया कि जैसे ही भारत ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, पाकिस्तान ने तुरंत सीमा पार से गोलीबारी शुरू कर दी।

बीजेपी में शामिल हुईं मैथिली ठाकुर, इस विधानसभा सीट से लड़ेंगी चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच एक बड़ी सियासी खबर सामने आई है। प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर विधिवत रूप से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गई हैं। आज पटना हवाईअड्डे पर पहुंचने के बाद, उन्होंने बीजेपी का दामन थाम लिया, जिससे लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लग गया है।

बीजेपी ने मैथिली ठाकुर को पार्टी में शामिल कर चुनावी मैदान में एक नया और लोकप्रिय चेहरा उतारने की अपनी तैयारी पुख्ता कर ली है।

माना जा रहा है कि बीजेपी उनकी लोकप्रियता का भरपूर लाभ उठाते हुए, उन्हें बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका देगी।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच चलाएगी साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्‍ योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09726 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:50 बजे जयपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09725 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को जयपुर से 16:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या की 09726 की बुकिंग 15 अक्टूबर, 2025 सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के 12 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, अपर महाप्रबंधक, प्रमुख विभागाध्यक्षों तथा महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार प्राप्तकताओं के साथ दिखाई दे रहे हैं।

मुंबई, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्‍ ता ने पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में 12 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया, जिनके योगदान से सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित हो सका। ये कर्मचारी अगस्‍ त एवं सितंबर, 2025 के दौरान ड्यूटी में सतर्कता बरतते हुए किसी भी अप्रिय घटना को टालने में सफल रहे। इन 12 कर्मचारियों में मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, अहमदाबाद, राजकोट एवं भावनगर मंडल से दो-दो कर्मचारी शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्री गुप्ता ने पुरस्कृत कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित सतर्कता की सराहना की और कहा कि वे दूसरों के लिए अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत करते हैं। इन कर्मचारियों ने संरक्षा के विविध क्षेत्रों जैसे धुएँ और चिंगारियों का पता लगाने, टूटे हुए कपलर बॉडी, वैगनों में लटकते पुर्जों, ब्रेक बाइंडिंग आदि का पता लगाकर ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण दिखाई।

पश्चिम रेलवे को इन सभी कर्मचारियों पर गर्व है, जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को समय रहते रोकने में सहायता की।

महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे ने अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

रेलवे संचालन में संरक्षा सर्वोपरि होती है और इसे सुनिश्चित करने में प्रत्येक कर्मचारी की सजगता एवं तत्परता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने अहमदाबाद मंडल के दो कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं संरक्षा के प्रति समर्पण के लिए संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। ये पुरस्कार सितंबर 2025 के दौरान ड्यूटी के समय सतर्कता दिखाने एवं संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रदान किए गए।

दिनांक 20 सितंबर 2025 को स्टेशन मास्टर श्री अजय कुमार जैसवाल साबरमती स्टेशन पर 22:00 से 06:00 बजे की पारी में ड्यूटी पर कार्यरत थे। जब ट्रेन डाउन दिशा में 04:50 बजे स्टेशन से होकर गुजर रही थी। ऑल राइट एक्सचेंज के दौरान श्री जैसवाल ने गाड़ी के रियर लोको संख्या 70572 में आग की लपटें देखीं। उन्होंने तत्काल अपनी सजगता का परिचय देते हुए लोको पायलट को खतरे का लाल संकेत दिखाया, जिसके परिणामस्वरूप लोको पायलट ने डाउन स्टार्टर 5-39 से पहले ही ट्रेन को रोक लिया। निरीक्षण करने पर पाया गया कि ब्रेक ब्लॉक जाम हो गया था जिससे अधिक गर्मी के कारण आग लग गई थी। लोको पायलट द्वारा ब्रेक ब्लॉक को रिलीज कर स्थिति को नियंत्रित किया गया तथा 05:15 बजे लोको को फिट घोषित किया गया। श्री जैसवाल की समय पर की गई कार्रवाई और सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना को टाला जा सका और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

इसी प्रकार, श्री अरविंद पटेल, जो एक पूर्व सैनिक हैं, पालनपुर खंड में समपार फाटक संख्या 31, 35 और 36 पर आरजी गेटमैन के रूप में कार्यरत हैं। दिनांक 02 सितंबर 2025 को वे समपार फाटक संख्या 35 'C' पर ड्यूटी कर रहे थे। उसी समय पालनपुरझ्र भीलड़ी खंड में अप लाइन पर मालगाड़ी 16:22 बजे फाटक से पास हुई। गाड़ी के दो भारी ट्रेन पार्ट्स टूटकर लटकते हुए आए और समपार फाटक के चेक रेल में लगे लकड़ी के गुटके से टकराकर फाटक पर गिर गए। श्री पटेल ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (रेलपथ) प्रभारी श्री शिवराज सिंह को सूचना दी। तत्पश्चात उन्होंने यह जानकारी कंट्रोल, टीआई-PNU एवं इछज्ञ्क् ऊ्रठ (N) ADI तथा ADEN-PNU को दी। चंडीसर स्टेशन पर ट्रेन को रुकवाकर उ&ह विभाग द्वारा निरीक्षण कराया गया, जिसमें दोषयुक्त डब्बे को आइसोलेट कर गाड़ी को सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाया गया। श्री अरविंद पटेल की त्वरित सूचना एवं सतर्कता के कारण संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सका।

पश्चिम रेलवे को अपने ऐसे कर्तव्यनिष्ठ एवं सजग कर्मचारियों पर गर्व है, जो अपने समर्पण, अनुशासन और त्वरित निर्णय क्षमता से रेलवे की संरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ बनाते हैं।

प्रतापनगर से कटिहार एवं जयनगर के लिए अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

वडोदरा मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से प्रतापनगर-कटिहार एवं प्रतापनगर-जयनगर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाईगी।

1. ट्रेन संख्या 09123/09124 प्रतापनगर-कटिहार (साप्ताहिक) अनारक्षित स्पेशल [04 फेरे]

ट्रेन संख्या 09123 प्रतापनगर-कटिहार साप्ताहिक अनारक्षित स्पेशल बुधवार, 15 और 22 अक्टूबर, 2025 को 16:30 बजे प्रतापनगर से प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 07:15 बजे कटिहार पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09124 कटिहार - प्रतापनगर साप्ताहिक अनारक्षित स्पेशल शुक्रवार, 17 और 24 अक्टूबर, 2025 को 11:15 बजे कटिहार से प्रस्थान करेगी और रविवार को 02:30 बजे प्रतापनगर पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी और खगड़िया स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09151/09152 प्रतापनगर-जयनगर अनारक्षित स्पेशल (साप्ताहिक) [04 फेरे]

ट्रेन संख्या 09151 प्रतापनगर - जयनगर स्पेशल रविवार, 19 और 26 अक्टूबर 2025 को 16:35 बजे प्रतापनगर से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 10:00 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09152 जयनगर - प्रतापनगर स्पेशल मंगलवार, 21 और 28 अक्टूबर, 2025 को 14:00 बजे जयनगर से प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 05:30 बजे प्रतापनगर पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छेवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अनंत सिंह : काला चश्मा, 25 हजार समर्थक और भोज का जलवा! अनंत सिंह ने नामांकन के दिन दिखाया पूरा बिहारी स्वैग

पटना जिले के मोकामा विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को बाहुबली नेता और जेडीयू उम्मीदवार अनंत सिंह उर्फ 'छोटे सरकार' के नामांकन ने पूरे क्षेत्र को अपनी रंगत में रंग दिया। पांच बार के विधायक अनंत सिंह ने मोकामा विधानसभा सीट से जेडीयू के टिकट पर नामांकन दाखिल किया।

उनका काफिला और रोड शो किसी भौकाली जुलूस से कम नहीं था। इतना ही नहीं उनका नामांकन काफिला सोशल मीडिया पर सबका ध्यान खिंच लिया। नामांकन से पहले अनंत सिंह ने अपने आवास पर पूजा-अर्चना की और फिर थार गाड़ी से नामांकन दाखिल करने के लिए रवाना हुए।

रोड शो और समर्थकों की भीड़

अनंत सिंह सफेद रंग की थार गाड़ी से नामांकन करने पहुंचे। उनके समर्थकों की संख्या इतनी अधिक थी कि करीब एक हजार से ज्यादा गाड़ियों का काफिला रोड शो का हिस्सा बना। इससे पहले अनंत सिंह ने अपने समर्थकों के लिए 25 हजार लोगों का भव्य भोज कराया। बताया जा रहा है कि इस मौके पर लगभग एक लाख रसगुल्ले (गुलाब जामुन) बनाए गए थे।

भोज का आयोजन दो विशाल पंडाल में किया गया, जहाँ एक बार में तीन हजार लोग बैठकर खाना खा सकते थे। सुबह आठ बजे से ही पंगत शुरू हो गई थी और समर्थकों का आवागमन लगातार जारी रहा। खाने के मेन्यू में काला रसगुल्ला, आलू-गोभी की सब्जी, मिक्स वेज, पूरी समेत कई व्यंजन शामिल थे। पिछले दो दिनों से रसोई में दिन-रात खाना तैयार किया जा रहा था, ताकि समर्थकों को बेहतर सुविधा मिल सके।

राजनीतिक सफरः पांच बार के विधायक

अनंत सिंह का राजनीतिक करियर बेहद दिलचस्प रहा है। उन्होंने मोकामा विधानसभा सीट से 1990, 2000, 2005, 2010 और 2015 में जीत दर्ज की है। 2005 और 2010 में उन्होंने जेडीयू के टिकट पर जीत हासिल की, जबकि 2015 में उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतकर सबको चौंका दिया।

2020 के विधानसभा चुनाव में उनकी पत्नी नीलम देवी ने इसी सीट से जीत हासिल की थी। अब 2025 में अनंत सिंह एक बार फिर मैदान में हैं और जेडीयू के उम्मीदवार के रूप में ताल ठोक रहे हैं।

अनंत सिंह का भौकाली अंदाज

नामांकन के दौरान अनंत सिंह ने अपने पुराने अंदाज में समर्थकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने। रोड शो और भीड़ ने पूरे मोकामा विधानसभा क्षेत्र में माहौल को चुनावी रंग में रंग दिया। अनंत सिंह अपने क्षेत्र में मजबुत पकड़ रखते हैं और किस तरह से चुनावी रणनीति के साथ समर्थकों को जोड़े रखते हैं।

पवन सिंह पर ससुर रामबाबू का शॉकिंग बयान, ज्योति सिंह के पिता ने खोली एक्टर दामाद की पोल, क्यों जोड़े हाथ?

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और बीजेपी नेता पवन सिंह इन दिनों अपने किसी नए गाने या फिल्म की वजह से नहीं, बल्कि पत्नी ज्योति सिंह से चल रहे विवाद को लेकर लगातार चर्चा में हैं।

ज्योति सिंह का चुनावी मैदान में उतरने का ऐलान

मामला अब इतना आगे बढ़ गया है कि इसमें ज्योति सिंह के पिता रामबाबू सिंह के बयान ने नया मोड़ ला दिया है। जहां एक ओर पवन सिंह ने हाल ही में ये घोषणा की है कि वह बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। वहीं दूसरी ओर उनकी पत्नी ज्योति सिंह ने ठान लिया है कि वह हर हाल में चुनावी मैदान में उतरेंगी।

ज्योति सिंह के पिता रामबाबू का चौंकाने वाला बयान

सूत्रों के मुताबिक, ज्योति सिंह ने दावा किया है कि वह काराकाट सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर चुकी हैं। आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, जब ज्योति सिंह के पिता रामबाबू सिंह से ये सवाल पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने दामाद पवन सिंह से कहा था कि उनकी बेटी को विधायक बना दीजिए। इस पर रामबाबू सिंह ने हाथ जोड़कर, रो-रोकर कह रहा था कि सब कुछ भूल जाइए, घर की बात घर में सुलझा लीजिए।

भावुक होकर जवाब दिया था।

पवन सिंह को लेकर ससुर ने किया शॉकिंग खुलासा

-रामबाबू सिंह ने बताया- ये घटना करीब तीन महीने पुरानी है। मैं लखनऊ गया था लेकिन घर में मुझे घुसने नहीं दिया जा रहा था। मैं किसी तरह अंदर गया और पवन सिंह से मिलने की कोशिश की थी। मैं उनसे -रामबाबू सिंह ने आगे कहा- मैंने पवन सिंह से कहा था कि ज्योति ने आपके लिए तपस्या की है। लोकसभा चुनाव के दौरान उसने आपके साथ दिन-रात प्रचार किया था, जब आप एसी में आराम कर रहे थे, वह धूप में लोगों के बीच रैली कर रही थी। मैंने सोचा था कि अब दोनों फिर से एक हो जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

'मेरी बेटी जैसी लड़की अब पवन सिंह को नहीं मिलेगी'

रामबाबू सिंह ने भावुक होते हुए कहा- मेरी बेटी जैसी लड़की अब उन्हें नहीं मिलेगी। उसे खोने की सबसे बड़ी गलती खुद पवन सिंह ने की है। जब रामबाबू सिंह से पूछा गया कि आखिर ज्योति सिंह ने चुनाव लड़ने का फैसला क्यों लिया तो उन्होंने कहा- लोकसभा चुनाव के बाद ज्योति ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अभी बहुत दम बाकी है, हम हारे नहीं हैं।

'निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतर सकती हैं ज्योति'

रामबाबू सिंह ने कहा- ज्योति सिंह के इस जज्बे को देखकर काराकाट के लोगों ने कहा था कि अगर पवन सिंह नहीं आ रहे तो आप चुनाव लड़िए। रामबाबू सिंह ने आगे बताया कि उनकी बेटी ने साफ कह दिया है कि अब वह किसी भी हाल में चुनाव लड़ेंगी। ज्योति ने मुझसे कहा है कि अगर कोई पार्टी टिकट नहीं देती, तो वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरेगी।

पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच मतभेद

-आपको बता दें कि पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच ये मतभेद अब व्यक्तिगत दायरे से निकलकर राजनीतिक रंग ले चुका है। एक तरफ जहां पवन सिंह सार्वजनिक मंचों पर इस विवाद पर बोलने से बच रहे हैं, वहीं ज्योति और उनके पिता के बयान लगातार मीडिया की सुर्खियां बन रहे हैं।

-अब देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में पवन सिंह और ज्योति सिंह का विवाद किस दिशा में जाता है। क्या दोनों के बीच सुलह होगी या राजनीति अब इस रिश्ते को और ज्यादा जटिल बना देगी।

डिलीवरी ब्वॉय से लूट का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की बादा पुलिस ने एनकाउंटर में लूट के आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में घायल आरोपी को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका इलाज चल रहा है। इसके दो अन्य साथियों की तलाश जारी है। पुलिस इन दोनों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक शिव राज ने बताया कि मटौंध थानाध्यक्ष और उनकी टीम ने टीम ने लूट कांड के आरोपी बिजेंद्र को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। यह छतरपुर का रहने वाला है। उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। 12 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे, उसने और उसके दो साथियों ने एक डिलीवरी ब्वॉय से 6,000 रुपये चुरा लिए। सूचना मिलने पर, मटौंध थानाध्यक्ष तुरंत मौके पर

पहुँचे और ऑपरेशन त्रिनेत्र में लगे कैमरों की मदद से मामले की जाँच की । बिजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अन्य दो साथी भी इस घटना में मौजूद थे। जो अभी फरार हैं। उसका और उसके साथियों का आपराधिक इतिहास रहा है।

एसपी पलाश बंसल ने बताया कि सोमवार की देर रात थाना मटौंध क्षेत्र में लूट की घटना को अंजाम देने वाला अन्तर्राज्यीय अभियुक्त ब्रजेंद्र उर्फ भाऊ को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया है। किसी भी कीमत पर अपराध और अपराधियों को नहीं बख्शा जाएगा। लूट मामले में 3 आरोपी हैं जिसने से अभी एक को गिरफ्तार किया गया है। अन्य प्रदेश से आकर उत्तर प्रदेश में अपराध करने वाले अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। पुलिस टीमें लगातार अपना काम कर रहीं हैं।ये अपराधी मध्य प्रदेश से आकर यहां घटनाओं को अंजाम देने का काम कर रहे थे। कई थानों में इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज है।

मुंबई मेट्रो के इस रूट पर काम अटका, डबल-डेकर पुल की वजह से तय समय में होगी देरी

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो परियोजनाओं में तेजी से काम चल रहा है और सभी रूट पर तय समय में काम पूरा करने पर फडणवीस सरकार जोर दे रही है। मीरा-भायंदर से नायगांव तक की मेट्रो लाइन में फिलहाल देरी हो सकती है। इस रूट के पूरा हो जाने से शहर के बाहरी हिस्से में रहने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (टटफ्ळ्ऊ) ने इस प्रोजेक्ट को लेकर अब एक नई योजना पेश की है। इसके तहत वसई खाड़ी पर एक डबल-डेकर पुल बनाने का फैसला किया गया है।

यह पुल सड़क और मेट्रो दोनों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। मुंबई मेट्रो प्रशासन ने बताया कि डबल डेकर पुल के निर्माण में कुछ तकनीकी बाधाएं आ रही हैं। इसलिए इसमें थोड़ी देरी हो रही है। मेट्रो प्रशासन का मानना है कि यह पुल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिहाज से मील का पत्थर साबित होगी।

एमएमआरडीए (MMRDA) के अधिकारियों ने बताया कि भौगोलिक चुनौतियों और भूमि अधिग्रहण की कानूनी बाध्यताओं की वजह से इसमें देर हो रही है। वसई खाड़ी क्षेत्र में पुल निर्माण के लिए तकनीकी सर्वे और पर्यावरणीय मंजूरी में कानूनी अड़चनें आ रही हैं। इसके अलावा, डबल-डेकर पुल की डिजाइन तैयार करने और उसके लिए जरूरी तकनीकी सहयोग पाने के लिए औपचारिक प्रक्रिया चल रही है। मेट्रो प्रशासन ने कहा कि ये सारी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद निर्माण काम तेजी से शुरू होगा।

- इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर मीरा-भायंदर, वसई, विरार और नायगांव जैसे उपनगरीय इलाकों के बीच यात्रा समय में भारी कमी आएगी।
- डबल-डेकर पुल से ऊपर का हिस्सा सड़क यातायात के लिए होगा, जबकि निचला हिस्सा मेट्रो ट्रैक के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।
- यह मॉडल मुंबई में पहली बार अपनाया जा रहा है और इसे स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में देखा जा रहा है।

मेट्रो प्रशासन ने तय की नई समयसीमा

मुंबई मेट्रो प्रशासन ने संकेत दिया है कि तकनीकी मंजूरी मिलने के बाद प्रोजेक्ट को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पश्चिमी उपनगरों में मेट्रो नेटवर्क और सड़क परिवहन दोनों को बड़ी राहत मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पुल मुंबई मेट्रो नेटवर्क में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह न केवल समय बचाएगा बल्कि क्षेत्र में आर्थिक और रियल एस्टेट विकास को भी बढ़ावा देगा। मीरा-भायंदर इलाके में रहने वाले लोगों के लिए कनेक्टिविटी का यह एक सुविधाजनक विकल्प बन सकेगा।

वजीरगंज पुलिस ने मिशन शक्ति 0.5 के तहत महिलाओं को किया जागरूक

महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए महिलाओं को समर्पित सरकारी योजनाओं के बारे में भी जागरुक किया गया

(जीएनएस)।

थाना वजीरगंज पुलिस ने जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस बीट कर्मी द्वारा अपने-अपने बीट क्षेत्र में भ्रमण करते हुए जनसमुदाय को जागरुक किया गया वहीं थाना क्षेत्र में हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, पिंक स्कूटी व बताते हुए पैम्फलेट, फोल्डर व स्टिकर का हेल्पलाइन नंबर के बारे में बताया गया।कार्यक्रम में डीसीपी वेस्ट विश्वजीत श्रीवास्तव,एडीसीपी वेस्ट

धनंजय कुशवाहा,मिशन शक्ति कार्यक्रम में पहुँचे,पश्चिम जोन में लगातार मिशन शक्ति कार्यक्रम को लेकर महिलाओं को किया जा रहा जागरूक,थाना वजीरगंज इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी का कहना है कि हम आगे भी महिलाओं के सम्मान के लिए मिशन शक्ति अभियान जारी रखेंगे।

उपायुक्त पश्चिमी, महोदय,अपर पुलिस उपायुक्त (प०) , एंव बाल विकास विभाग व समाज कल्याण विभाग अधि०/कर्म० के साथ महिला पुलिस कर्मी मिशन शक्ति प्रभारी,एण्टी रोमियों प्रभारी ,वजीरगंज क्षेत्र में पडने वाले डालीगंज चौराहा, सिटी स्टेशन, कैसरबाग बस अड्डा,आगामीर,रिवर बैंक कालोनी रेन बसेरा पर महिला डालीगंज क्षेत्र में स्थित रेन बसेरा रिबर बैंक कॉलोनी डालीगंज वजीरगंज, मे उपस्थित व 36 निराश्रित महिलाओ को उपरोक्त पुलिस कर्मियो द्वारा मिशन शक्ति फेज-5 कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया गया तथा निराश्रित महिलाओ के वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन से सम्बन्धित रजिस्टेशन करा कर नियमानुसार सहायत उपलब्ध करायी गयी ,योजनाएं जैसे महिला हेल्पलाइन नम्बर एवं यूपी कॉप आदि वितरण किया गया,महिला बीट कर्मचारियों द्वारा महिलाओं को जागरूक किया गया व 181 महिला हेल्पलाइन नं0,1090 वूमेन पावर लाइन नं0,1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन,102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एंबुलेंस हेल्पलाइन 108 एंबुलेंस सेवा, 112 आपात पुलिस सेवा, 1930 साइबर

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

हरियाणा में पूरन कुमार की सुसाइड के ठीक एक सप्ताह बाद ही एक एएसआई की आत्महत्या ने पैदा हुई जबरदस्त सनसनी

हरियाणा के चंडीगढ़ में आईपीएस अधिकारी वाई पूरन वुमार के आत्महत्या मामले में नया ट्विस्ट आ गया है क्योंकि इस मामले की जांच कर रहे एक सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) ने भी खुद को गोली मार कर जान दे दी। चौंकाने वाली बात यह है कि आत्महत्या करने वाले एएसआई संदीप वुमार ने अपनी आत्महत्या के पहले लिखे नोट और वीडियो में मृत आईपीएस पूरन वुमार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें अत्यन्त भ्रष्ट और फरेबी बताया है।

दरअसल पूरन वुमार ने 7 अक्टूबर को चंडीगढ़ में अपने आवास पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी और सुसाइड नोट में राज्य के पुलिस महानिदेशक और रोहतक के पूर्व पुलिस अधीक्षक पर उन्हें प्राताड़ित करने का आरोप लगाया था। पूरन वुमार के आरोप से हरियाणा की राजनीति में हंगामा होना स्वाभाविक था क्योंकि वह अनुसूचित जाति के थे। इस बात का अनुमान बड़ी ही आसानी से लगाया जाने लगा कि पूरन वुमार जिस जाति के थे, उस समाज पर हरियाणा में अत्याचार होना सामान्य बात है। लेकिन संदीप वुमार ने मंगलवार को आत्महत्या करके यह बताने की कोशिश की है कि पूरन वुमार ने जो आरोप दूसरे वरिष्ठ अधिकारियों पर लगाए हैं, वह दुराचरण वह खुद ही करते थे। संदीप वुमार अनुसूचित जाति के नहीं थे, इसलिए उन्हें पूरन वुमार द्वारा अपने जाति विशेष का दुरुपयोग करना और कनिष्ठ पुलिस अधिकारियों को परेशान करना, बहुत बुरा लगा। संदीप ने अपने सुसाइड नोट और वीडियो संदेश में कहा है कि पूरन वुमार अपनी जाति को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करके अपने विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को ब्लैकमेल व प्राताड़ित करते थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या संदीप वुमार को अपनी बात कहने यानि पूरन वुमार की सच्चाई बताने के लिए अपनी जान देने का तरीका अपनाना उचित था? इस सवाल का जवाब तो समाज अपने- अपने तरीके से ही देगा किन्तु संदीप वुमार ने अपनी आत्महत्या नोट और वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी आत्महत्या के औचित्य को साबित करने के लिए अपना तर्व भी दिया है। उनका कहना है कि पूरन वुमार की हकीकत सामने लाने के लिए ही वह अपनी जान देकर लोगों को बताना चाहते हैं कि वह (पूरन वुमार) अत्यन्त भ्रष्ट और फरेबी आईपीएस अधिकारी थे।

सच तो यह है कि जहां पूरन वुमार के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने राज्य के पुलिस प्रामुख को अवकाश पर भेज दिया वहीं उसने इस मामले की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया किन्तु ठीक एक सप्ताह बाद ही एक एएसआई की आत्महत्या ने ऐसी सनसनी पैदा की कि लगता है राज्य के पुलिस विभाग में इस तरह की बीमारी घातक और असाध्य बन चुकी है। राज्य सरकार को चाहिए कि राज्य के पुलिस तंत्र की पूरी तरह सफाई करें अन्यथा पूरन वुमार और संदीप वुमार की आत्महत्याओं की पुनरावृत्ति हो सकती है। राज्य सरकारें अपने पुलिस विभाग में जिम्मेदारी सुनिाित करने के लिए दूसरे राज्य के वैडर के किसी ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ आईपीएस अधिकारी को डीजीपी का दायित्व सौंपते हैं जो पक्षपात के बिना निर्णय लेकर पुलिस विभाग में पारदर्शिता लाएं।

यदि राज्य सरकार दूसरे राज्य के वैडर से वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को अपने राज्य के आईपीएस अधिकारियों की नाराजगी के डर से डीजीपी नहीं बनाना चाहती तो उसे कम से कम हरियाणा वैडर के किसी ऐसे आईपीएस अधिकारी को डीजीपी बनाना चाहिए जो वेंद्रीय अर्धसैनिक बलों, वेंद्रीय खुफिया तंत्र या राज्य से बाहर किसी सेवा में कार्यरत हों।

बहरहाल, अब सरकार आत्महत्या की दो घटनाओं के बाद पुलिस विभाग को भगवान भरोसे नहीं छोड़ सकती। जो भी तरीका प्रशासनिक सुधार के विशेषज्ञ दें, वह तरीका अपना कर समय रहते पुलिस विभाग के भीतर व्याप्त असहजता को खत्म करने की कोशिश करें।

कौन है एशले टेलिस? चीन लिंक और 'टॉप सीक्रेट' फाइलों से मचा अमेरिकी खुफिया महकमे में हड़कंप!

भारतीय मूल के अमेरिका के एक फॉरेन पॉलिसी एक्सपर्ट और दक्षिण एशिया मामलों के लंबे समय से सलाहकार रहे एशले टेलिस को गोपनीय दस्तावेजों को गैरकानूनी ढंग से रखने और चीनी सरकारी अधिकारियों से कथित तौर पर मुलाकात करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। न्याय विभाग ने 64 वर्षीय टेलिस पर राष्ट्रीय रक्षा जानकारी गैरकानूनी रूप से रखने का आरोप लगाया है।

एफबीआई के हलफनामे के अनुसार, वर्जीनिया स्थित टेलिस के घर की तलाशी में 1,000 से ज्यादा पन्नों के 'टॉप सीक्रेट' और 'सीक्रेट' डॉक्यूमेंट बरामद हुए। ये दस्तावेज उनके घर में कई जगह-बंद कैबिनेट, बेसमेंट के डेस्क और यहां तक कि काले कूड़े के बैगों में भी-बिखरे मिले।

चीन से संदिग्ध मुलाकातें: सरकारी वकील का आरोप है कि टेलिस ने पिछले कुछ सालों में कई बार चीनी सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की।

सितंबर 2025 में वर्जीनिया के एक रेस्तरां में हुई एक मुलाकात में उन्हें एक मनीला लिफाफा ले जाते देखा गया, जो बाहर निकलने पर उनके पास नहीं था।

अप्रैल 2023 के एक डिनर में, उन्हें चीनी अधिकारियों के साथ ईरान-चीन संबंधों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती तकनीकों पर चर्चा करते सुना गया था।

एक मुलाकात कथित तौर पर 'गिफ्ट बैग' के आदान-प्रदान के साथ समाप्त हुई थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन: कोर्ट रिकॉर्ड्स के अनुसार, टेलिस ने सितंबर और अक्टूबर 2025 में रक्षा और विदेश विभाग के भवनों से क्लासिफाइड सामग्री निकाली और प्रिंट की, जिसमें अमेरिकी सैन्य विमानों की क्षमताओं से जुड़ी फाइलें शामिल थीं।

कौन है भारतीय मूल का एशले टेलिस?

टेलिस का जन्म मुंबई में हुआ था। उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज से पढ़ाई की और बाद में शिकागो विश्वविद्यालय से पीएचडी हासिल की।

करियर: वह अमेरिका-भारत संबंधों पर एक सम्मानित आवाज माने जाते हैं। उन्होंने राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में काम किया और वह अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु समझौते के प्रमुख वातार्कारों में शामिल थे।

वर्तमान पद: गिरफ्तारी के समय वह वाशिंगटन थिंक टैंक कानेर्गी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में सीनियर फेलो और 'टाटा चेयर फॉर स्ट्रैटेजिक अफेयर्स' के पद पर थे। इसके अलावा, वह पेंटागन के ठेकेदार और विदेश विभाग के अवैतनिक सलाहकार भी थे।

आगे की कार्रवाई

अमेरिकी अटॉर्नी लिंडसे हैलिगन ने कहा है कि ये आरोप अमेरिकी सुरक्षा के लिए 'गंभीर खतरा' पैदा करते हैं। टेलिस पर राष्ट्रीय रक्षा जानकारी गैरकानूनी ढंग से रखने का आरोप है और अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 10 साल तक की जेल और 250,000 का जुमार्ना हो सकता है। इस मामले पर न तो कानेर्गी एंडोमेंट ने और न ही उनके वकील ने कोई टिप्पणी की है।

कौन हैं बिहार के 3 सबसे अमीर विधायक? पहले और दूसरे नंबर पर हैं महिला नेता

बिहार चुनाव 2025 की सरगर्मी बढ़ चुकी है और इस बीच एक रिपोर्ट ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (अऊ्फ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार विधानसभा के 80 प्रतिशत से ज्यादा विधायक करोड़पति हैं। यानी जो नेता जनता की सेवा का दावा करते हैं, उनकी जेबें पहले से ही नोटों से भरी पड़ी हैं। बिहार के मौजूदा विधायकों की औसतन संपत्ति करीब ₹4.65 करोड़ है। इसमें सबसे आगे हैं जेडीयू के विधायक, जिनकी औसतन संपत्ति ₹7.08 करोड़ है।

कांग्रेस के विधायकों की औसतन संपत्ति ₹5.57 करोड़, आरजेडी की ₹5.21 करोड़, और बीजेपी की ₹3.51 करोड़ बताई गई है। वामदलों की स्थिति बिलकुल अलग है, सीपीआई(एमएल) के विधायकों की औसतन संपत्ति महज ₹43 लाख है, जो सत्ता पक्ष के विधायकों की तुलना में कई गुना कम है। दिलचस्प बात यह है कि राज्य के तीन सबसे अमीर विधायकों में दो महिलाएं शामिल हैं और दोनों जेडीयू (खऊ-व) से हैं। आइए जानते हैं, कौन हैं ये नेता और कितनी है इनकी दौलत।

नीलम देवी -80 करोड़ से ज्यादा की मालकिन

मोकामा से जेडीयू विधायक नीलम देवी इस वक्त बिहार की सबसे अमीर विधायक हैं। 2022 में उपचुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची नीलम देवी ने अपने चुनावी हलफनामे में करीब 80 करोड़ 43 लाख रुपये की कुल संपत्ति घोषित की थी। इसमें करीब 29.8 करोड़ रुपये चल संपत्ति (जैसे बैंक बैलेंस, ज्वेलरी, वाहन आदि) और 50.6 करोड़ रुपये अचल संपत्ति (जमीन-जायदाद, मकान, प्लॉट आदि) शामिल हैं।

मोकामा सीट पहले उनके पति अनंत सिंह के नाम से जानी जाती थी। अब नीलम देवी उसी विरासत को आगे बढ़ा रही हैं और वित्तीय ताकत के मामले में बिहार की राजनीति में सबसे ऊपर खड़ी हैं।

नीलम देवी कुल संपत्ति: 80,43,11,313 रुपये

चल संपत्ति: 29,80,61,313 रुपये

अचल संपत्ति: 50,62,50,000 रुपये

मनोरमा देवी -72 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति

बिहार की दूसरी सबसे अमीर विधायक भी महिला हैं, मनोरमा देवी, जो गया जिले की बेलागंज सीट से जेडीयू की विधायक हैं। 2024 के उपचुनाव में जीतने के बाद उन्होंने अपने हलफनामे में 72 करोड़ 88 लाख रुपये की संपत्ति घोषित की थी।

मनोरमा देवी की चल संपत्ति करीब 9.58 करोड़ रुपये, जबकि अचल संपत्ति 63.3 करोड़ रुपये है। यानी बिहार की राजनीति में महिलाओं

ने न सिर्फ सशक्त उपस्थिति दर्ज की है, बल्कि संपत्ति के मामले में पुरुष नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है।

मनोरमा देवी कुल संपत्ति: 72,88,75,956 रुपये

चल संपत्ति: 9,58,75,956 रुपये

अचल संपत्ति: 63,30,00,000 रुपये

अजीत शर्मा -43 करोड़ रुपये के मालिक

तीसरे नंबर पर हैं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भागलपुर से विधायक अजीत शर्मा। एक बिजनेसमैन से नेता बने अजीत शर्मा की कुल संपत्ति करीब 43 करोड़ 27 लाख रुपये है।

उनकी चल संपत्ति करीब 4.9 करोड़ रुपये और अचल संपत्ति 38.3 करोड़ रुपये बताई गई है। अजीत शर्मा बिहार कांग्रेस के उन गिने-चुने चेहरों में से हैं जिनका आर्थिक ग्राफ पार्टी की सियासी गिरावट के बावजूद लगातार ऊंचा रहा है।

अजीत शर्मा कुल संपत्ति: 43,27,91,009 रुपये

चल संपत्ति: 4,90,41,009 रुपये

अचल संपत्ति:38,37,50,000 रुपये

कौन हैं बिहार के तीन सबसे गरीब विधायक

जहां एक ओर करोड़ों की संपत्ति वाले विधायक हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ नेता ऐसे भी हैं जिनकी कुल संपत्ति सुनकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है।

- रामवृक्ष सादा अलौली की कुल संपत्ति सिर्फ ₹70,000 है।
- गोपाल रविदास फुलवारी) के पास ₹1.59 लाख की संपत्ति है।
- संदीप सौरव पालीगंज) ने ₹3.45 लाख की संपत्ति घोषित की है।

इन आंकड़ों से साफ है कि सत्ता के गलियारों में जहां कुछ चेहरे लग्जरी कारों और करोड़ों की जमीनों के मालिक हैं, वहीं कुछ अब भी साइकिल या बस से जनता तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार की विधानसभा में 'करोड़पति क्लब'

अऊ्फ की रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार के कुल 241 वर्तमान विधायकों में से 194 विधायक करोड़पति हैं। यानी विधानसभा का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा ऐसे नेताओं से भरा है जिनकी घोषित संपत्ति एक करोड़ रुपये से अधिक है।

अगर पार्टियों के हिसाब से देखें तो-

RJD के 88% विधायक करोड़पति हैं

JD(U) के 83%, BJP के 87%,

जबकि कांग्रेस के 76% विधायक करोड़पति हैं। यह आंकड़ा बताता है कि बिहार की राजनीति में अब गरीब घर से आने वाले नेताओं की संख्या बेहद कम रह गई है।

फ्लिपकार्ट के बिग बैंग दिवाली सेल में मोटोरोला स्मार्टफोन्स पर छूट की घोषणा

लखनऊ। मोटोरोला, मोबाइल टेक्‍नोलॉजी में ग्लोबल लीडर और भारत के सबसे भरोसेमंद आई स्मार्टफोन ब्रांड, ने फ्लिपकार्ट की बिग बैंग दिवाली सेल 2025 के लिए अपने सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन्स पर भारी छूट की घोषणा की है। यह छूट विभिन्न मूल्य समूहों में उपलब्ध हैं। बिग बैंग दीवाली सेल के तहत, मोटोरोला अपने नवीनतम एआई, पैंटोन डिजाइन और टिकाऊपन में किए गए इनोवेशन को अविश्‍वसनीय कीमतों में लाखों ग्राहकों तक पहुंचा रहा है। ये डिवाइस सेल के दौरान उपलब्ध हैं और बिग बैंग दिवाली सेल के दौरान सभी उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध रहेंगे।सीजन के सबसे बड़े ऑफर से शुरू करते हुए मोटोरोला एज 60 प्रो (8 प्लस 256जीबी मॉडल) जो खुदरा मूल्य 29,999 रुपये पर बिकता है, अब त्योहारी प्रभावी मूल्य केवल 24,999 रुपये पर प्राप्त किया जा सकता है, यह 25 हजार रुपये के तहत सबसे महत्‍वपूर्ण स्‍मार्टफोन हो गया है। मोटोरोला एज 60 प्रो ने अपने सेगमेंट को नए अंदाज में पेश किया है, जिसमें एकमात्र पैंटोन प्रमाणित ट्रिपल 50 एमपी कैमरा सिस्टम है,जो सोनी एलवाईटीआईए 700सी मुख्य सेंसर, 50एमपी अल्ट्रावाइड प्लस मैक्रो, और 10एमपी टेलीफोटो के साथ 3एक्स ऑप्टिकल और50एक्स एआई सुपर जूमसे संचालित है। मोटोएआई, गूगल जेमिनी, माइक्रोसॉफ्ट कोपिलट और परप्लेक्सिटी के साथ, यह प्रोफेशनल-ग्रेड फोटो और 4के वीडियो सुनिश्चित

करता है, जो एआई स्टेबलाइजेशन,फोटो एन्हांसर, और गूगल फोटोज टूल्स जैसे मैजिक इरेजर और अनब्लर से बढ़ाया गया है। इसमें दुनिया का सबसे टिकाऊ 6.7 इंच 1.5 के ट्रू कलर क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले है, जिसमें 4500 निट्स की ब्राइटनेस, एचडीआर 10 प्लस, और गोरिल्ला ग्लास7आई प्रोटेक्शन है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8350 एक्सट्रीम चिपसेट पर चलने वाला, जिसमें 16 जीबी तक एलपीडीडीआर 5 एक्स रैम है, यह 6000 एमएएच डीएक्सओमार्क गोल्ड-रेटेड बैटरी द्वारा समर्थित है,जो 90 डब्ल्यू टबोर्पावर फास्ट चार्जिंग, 15 डब्ल्यू वायरलेस चार्जिंग और रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करता है। आईपी68/आईपी69 प्रोटेक्शन और एमआईएल-एसटीडी-810 एच सर्टिफिकेशन के साथ, यह लंबे समय तक चलने के लिए बनाया गया है, और चार प्रीमियम पैंटोन फिनिश में आता है- डैजलिंग ब्लू (फैब्रिक फिनिश), वॉलनट (वुड फिनिश), शैडो, और स्पार्कलिंग ग्रेप(वीगन लेदर फिनिश)। सबसे पसंदीदा 8जीबी वैरिएंट के अलावा, इस त्योहारी सीजन में, मोटोरोला एज 60 प्रो 28,999' रुपये (12 प्लस 256 जीबी) और 32,999' रुपये (16 प्लस 512 जीबी) पर भी उपलब्ध है, जो 33,999 रुपये और 37,999 रुपये से कम है। मोटोरोला एज 60 फ्यूजन स्टाइल, मजबूती और आधुनिक एआई तकनीक का शानदार मिश्रण है। यह फ्लिपकार्ट की बिग बैंग दिवाली सेल 2025 में खास छूट के साथ उपलब्ध है, जिसमें 8जीबी प्लस 256 जीबी मॉडल 18,999' रुपये और 12 जीबी प्लस 256 जीबी मॉडल 20,999' रुपये में मिल रहा है। इसमें 6.7इंच का 1.5के ट्रू कलर क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले है, जो दुनिया का सबसे शानदार डिस्प्ले है। यह पैंटोन सर्टिफाइड है, 4500 निट्स की चमक देता है, आँखों की सुरक्षा के लिए एसजीएस सर्टिफिकेशन और गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन के साथ आता है। इसका 96.3 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी रेशियो और स्मार्ट वाटर टच 3.0 स्क्रीन को बहुत स्मूथ और साफ बनाता है। कैमरा सिस्टम में सेगमेंट का पहला 100 प्रतिशत ट्रूकॉलर सोनी एलवाईटीआईए 700सी सेंसर है, साथ में 13एमपी अल्ट्रावाइड $ मैक्रो लेंस और 32एमपी सेल्फी कैमरा है, जो 4के वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है। मोटो आई और गूगल एआई टूल्स की मदद से यह एआई मैजिकइरेजर, फोटो अनब्लर, एआई स्टेबलाइजेशनऔर डुअल कैप्चर जैसे फीचर्स देता है, जिससे आप कहीं भी शानदार फोटो और वीडियो बना सकते हैं। यह फोन आईपी68/आईपी69वाटर और डस्ट प्रोटेक्शन के साथ आता है और एमआईएल-एसटीडी-810एच सर्टिफिकेशन की वजह से बहुत मजबूत है। मोटोरोला एज 60 फ्यूजन अमेजोनाइट, मायकोनोसब्लू, स्लिपस्ट्रीम और जेफायर जैसे पैंटोन-क्यूरेटेड रंगोंमें उपलब्ध है, जिसमें प्रीमियम वीगन लेदर डिजाइन है।

फेदरलाइट ने लखनऊ में शुरू किया पहला एक्सक्लूसिव एजुकेशन फर्नीचर एक्सपीरियंस सेंटर

लखनऊ, 14 अक्टूबर 2025। भारत में कार्यस्थल और शिक्षा फर्नीचर समाधान के क्षेत्र में अग्रणी और विश्वसनीय नामों में से एक फेदरलाइट ने आज लखनऊ में अपने पहले एक्सक्लूसिव एजुकेशन फर्नीचर एक्सपीरियंस सेंटर का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया।

इस सेंटर को शिक्षकों, प्रशासकों और प्रोक्योरमेंट टीमों को आधुनिक शिक्षा फर्नीचर समाधानों के बारे में जानने के लिए एक व्यावहारिक वातावरण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तेजकुमार प्लाजा, 75 हजरतगंजझ 226001 के द्वितीय तल पर स्थित यह एक्सपीरियंस सेंटर फेदरलाइट की शिक्षा क्षेत्र के लिए समर्पित नवीनतम रेंज को प्रदर्शित करता है-— जिसमें तकनीक-सक्षम क्लासरूम फर्नीचर और गतिशील और सहभागितापूर्ण शिक्षण व्यवस्था, प्रयोगशाला बेंच, लाइब्रेरी सिस्टम, ऑडिटोरियम

सीटिंग, और टिकाऊ हॉस्टल फर्नीचर शामिल हैं।

प्रत्येक उत्पाद को आराम, कार्यक्षमता और दीर्घकालिक प्रदर्शन को बढ़ाने के उद्देश्य से इस तरह डिजाइन किया गया है, ताकि आधुनिक कॉलेज और विश्वविद्यालय लचीले एवं प्रेरक शिक्षण वातावरण का निर्माण कर सकें।

इस सेंटर में निर्णयकर्ता वास्तविक क्लासरूम सेटअप का अनुभव कर सकते है, एर्गोनॉमिक्स और टिकाऊपन की जांच कर सकते है तथा यह समझने का अवसर प्रदान करते है कि किस प्रकार नवीन फर्नीचर समाधान शिक्षण परिणामों को बेहतर बना सकते हैं।

सेंटर का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री विशाल सिंह, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार एवं निदेशक, सूचना एवं संस्कृति विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ श्री अदित जशनानी, निदेशक, मोमेंटम टेकसिस प्राइवेट लिमिटेड तथा सुश्री कश्वी जशनानी, निदेशक, मोमेंटम टेकसिस प्राइवेट लिमिटेड भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन के अवसर पर श्री ज्ञानेंद्र सिंह परिहार, बिजनेस हेड झ फेदरलाइट ने कहा, 'अपने नए एक्सपीरियंस सेंटर के माध्यम से हमारा उद्देश्य लखनऊ और पूरे उत्तर प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे उच्च शिक्षा तंत्र को और बेहतर सेवाएं प्रदान करना है।

श्वेता तिवारी ने भड़काई ऐसी चिंगारी, 17 साल बाद रोनित रॉय संग सरेआम किया 'ये सब', वीडियो ने मचाया हंगामा

टीवी से लेकर भोजपुरी इंडस्ट्री तक में अपनी दमदार एक्टिंग और खूबसूरती का जलवा बिखेरने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी का ग्लैमर देखकर हर कोई हैरान हो जाता है। 44 की उम्र में भी श्वेता तिवारी अपने हुस्न के जादू से लोगों को दीवाना बना रही हैं।

श्वेता तिवारी की 2 दर्दनाक शादियां

आपको बता दें कि श्वेता तिवारी की दो शादियां हुई थीं और दोनों ही काफी दर्दनाक साबित हुई हैं। फिलहाल वह सिंगल मदर बनकर जिंदगी काट रही हैं। 44 साल की उम्र में श्वेता तिवारी 4 बच्चों (एक बेटी और एक बेटे) की मां हैं।

'कसौटी जिंदगी की' में नजर आई थीं श्वेता तिवारी

श्वेता तिवारी ने टीवी इंडस्ट्री से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी। श्वेता तिवारी सबसे पहले टीवी

के फेमस सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आई थीं। इस सीरियल में उनके साथ रोनित रॉय और सीजेन खान नजर आए थे।

पैसों के लिए श्वेता तिवारी की बेटी पलक करती हैं ऐसा काम, खुद मां तय करती हैं कीमत, क्या है इसके पीछे की वजह?

पैसों के लिए श्वेता तिवारी की बेटी पलक करती हैं ऐसा काम, खुद मां तय करती हैं कीमत, क्या है इसके पीछे की वजह?

स्टार परिवार अवाड्र्स के 25 साल पूरे

-वहीं इस साल स्टार परिवार अवाड्र्स का मंच बेहद खास रहा क्योंकि इसने पूरे 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके को और यादगार बना दिया टेलीविजन की सबसे आइकॉनिक जोड़ियों में से एक, श्वेता तिवारी और रोनित रॉय ने।

-श्वेता तिवारी और रोनित रॉय ने सालों बाद अपने सुपरहिट शो 'कसौटी जिंदगी की' के टाइटल ट्रैक 'चाहत के सफर में' पर एक बार फिर से साथ परफॉर्म किया, जिसने फैंस को पुरानी यादों में डूबो दिया।

कलर्स का नयनतारा पहुँचा डरावने चरम पर, नयनतारा ने भूत चतुर्दशी पर शाओली को हमेशा के लिए खत्म करने की खाई कसम

प्यारभरा आशीर्वाद देने वाला लाल सिंदूर अब एक भयावह खेल की शुरूआत का प्रतीक बन चुका है, जहाँ ज़िंदगी और मौत के बीच बस एक धागे का सहारा है। कलर्स के शो ह्यनयनताराह्न में शीर्ष भूमिका में श्रुति बिष्ट हैं और उनके पति सुरजो का किरदार निभा रहे हैं अर्जुन चक्रवर्ती। अब यह शो अपनी सबसे सिहरन पैदा करने वाली कहानी की ओर बढ़ चुका है। भव्य सिंदूर खेला एक खौफनाक मोड़ लेता है, जब सुरजो की पूर्व मंगेतर शाओली, नयनतारा के पानी में नशा मिलाकर उसे माँ दुर्गा की मूर्ति से बाँध देती है ताकि वह डूब जाए। विजय का पर्व नयनतारा की ज़िंदगी का सबसे अंधकारमय मोड़ बन जाता

है। जो पल उसकी खुशी का होना चाहिए था, वह उसकी ज़िंदगी और मौत की जंग में बदल जाता है।

लेकिन नयनतारा इतनी आसानी से टूटने वाली नहीं। अपने दिव्य अस्त्र-शस्त्र के साथ वह हालात पलट देती है और शाओली को मंदिर के गर्भगृह तक खींचकर देवताओं की दृष्टि से अंकित दीवारों में कैद कर देती है। पवित्र स्थान का हर कोना इस घातक टकराहट का गवाह बनता है। गुस्से से

भरी नयनतारा शपथ लेती है कि वह शाओली के शरीर का नाश करेगी और भूत चतुर्दशी की रात उसकी आत्मा को वापस दूसरे लोक में भेज देगी। जैसे-जैसे श्रापित रात करीब आती है, मंदिर पर एक सिहरन पैदा करने वाला सवाल मंडराने लगता है—क्या नयनतारा की प्रतिज्ञा सचमुच शाओली का अंत कर पाएगी? क्या शाओली नयनतारा के प्रहार से बच पाएगी? एक घातक रहस्य ऐसा भी है, जो शिकारी को ही शिकार बना सकता है, और यही हमें अधर पर छोड़ देगा। मंच सज चुका है, बहुत कुछ दांव पर है, और यह रात नयनतारा की ज़िंदगी में ऐसे खुलासे लाएगी, जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

देखिए नयनतारा रोजाना रात 8:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर

कोर्ट परिसर में अधिवक्ता ओमपाल पर धारदार हथियार से हमला, दरोगा भी घायल

(जीएनएस)।

पीलीभीत के कोर्ट परिसर में मंगलवार सुबह हत्या के मामले में नामजद अधिवक्ता ओमपाल (गांव खरदाई, थाना दियोरिया) पर ताबड़तोड़ बांके से हमला किया गया। अचानक हुए इस हमले में अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बचाने आए एक दरोगा भी हमले में चोटिल हुए। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने घटना के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने घायल अधिवक्ता से अस्पताल में बातचीत कर उन्हें बेहतर इलाज की सुविधा देने का आश्वासन दिया है। मामले की जांच जारी है।

यह घटना कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की चिंता बढ़ा रही है और प्रशासन से बेहतर सुरक्षा की मांग उठने लगी है।

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, बरेली कॉलेज में पीजी फोरम का गठन प्रभारी डॉ रमेश त्रिपाठी

(जीएनएस)।

बरेली। बरेली कॉलेज के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में आज दिनांक 14 अक्टूबर को पीजी फोरम का गठन किया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरूआत विभाग प्रभारी डॉ. रमेश त्रिपाठी के उद्बोधन से हुई। उन्होंने फोरम की उपयोगिता और वर्षभर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके

उपरांत फोरम की संयोजिका चेतना तिवारी ने विभिन्न पदों हेतु आए आवेदनों को छात्रों के समक्ष रखा।

सभी आवेदनों पर विचार-विमर्श और ध्वनि मत के आधार पर चुनाव संपन्न हुआ। परिणामस्वरूप —

अध्यक्ष : कैलाश चंद्र

उपाध्यक्ष : संजीव कुमार

सचिव : स्नेहा सेंगर

पुस्तकालय सचिव : कोमल मौर्य

कक्षा सचिव : शाहिद बेग

कोषाध्यक्ष : प्रभाकर श्रीवास्तव

निर्वाचित हुए।

चुनाव उपरांत नवचयनित पदाधिकारियों ने एकमत से आगामी गतिविधियों की रूपरेखा पर कार्य करने और अपने दायित्वों के प्रति निष्ठा एवं समर्पण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में विभाग द्वारा पदाधिकारियों की चयन सूची प्रो. ए. पी. सिंह, निदेशक (स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रम) को प्रेषित कर दी गई।

थाना कोतवाली पुलिस, एस0ओ0जी0 नगर व सर्विलांस सेल नगर की संयुक्त टीम द्वारा छिनैती के अभियोग से सम्बन्धित 04 अभियुक्त गिरफ्तार

(जीएनएस)।

दिनांक-14.10.2025

छिनैती के अभियोग से सम्बन्धित 04 अभियुक्त थाना कोतवाली पुलिस, एस0ओ0जी0 नगर व सर्विलांस सेल नगर की संयुक्त टीम द्वारा गिरफ्तार, कब्जे से छीने गये गहनों को बेचने से प्राप्त रुपयों में से 82,250/- रुपये नकद, 01 मोटरसाइकिल तथा 01 मोबाइल फोन बरामद

थाना कोतवाली पुलिस व एस0ओ0जी0 नगर व सर्विलांस सेल नगर की संयुक्त टीम द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0अ0सं0-62/25 धारा 304(2) बी0एन0एस0 से सम्बन्धित प्रकाश में आये 04 अभियुक्तों 01. अभय त्रिपाठी पुत्र प्रभाशंकर त्रिपाठी नि0 129/8 ऊ1 चकिया जी0टी0बी0 नगर थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज 02. साहिल उर्फ बटलर पुत्र इकबाल खान नि0 चकिया बैरहना पान की गुमटी थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज 03. किशन उर्फ सूरज प्रजापति पुत्र दिनेश प्रजापति उर्फ पलटू नि0 चकिया चक मिरातुल थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज 04. सैय्यद तनवीर पुत्र साबिर हुसैन नि0 201/अ1 चक मिरातुल थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज को आज दिनांक 14.10.2025 को मुखबिर की सूचना पर गोबर गली टावर के पास से थाना क्षेत्र कोतवाली से गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से छीने गये गहनों को बेचने से प्राप्त रुपयों में

से 82,250/- रुपये नकद, 01 मोटरसाइकिल तथा 01 मोबाइल फोन बरामद किये गये । बरामदगी/गिरफ्तारी के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 317(2) बी0एन0एस0 की बढ़ोत्तरी की गयी । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण-

आवेदक श्री संदीप कुमार त्रिपाठी पुत्र लालजी राम त्रिपाठी निवासी सूर्योदय नगर कॉलोनी लेखराजपुर थाना झूंसी जनपद प्रयागराज द्वारा थाना कोतवाली पुलिस को सूचना दी गयी कि दिनांक 10.10.2025 को जब वे अपने परिवार के साथ ऑटो से अपने घर को जा रहे थे तो 01 बाइक सवार अज्ञात अभियुक्त उनकी पत्नी के हाथ से बैग छीन कर भाग गये, जिसमें कुछ आभूषण व मोबाइल फोन भी रखा हुआ था । उक्त सूचना पर थाना कोतवाली पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मु0अ0सं0-62/25 धारा 304(2) बी0एन0एस0 पंजीकृत किया गया तथा घटना के सफल अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया ।

पूछताछ का विवरण-

अभियुक्त अभय त्रिपाठी उपरोक्त ने पूछताछ में बताया कि उसकी महिला मित्र उससे महंगे/ब्रांडेड सामान जैसे-ऋ्वउउक का पर्स, टअउ ब्रांड की लिपस्टिक आदि माँगती थी, जिसे खरीदने के लिए तथा उसके अन्य खर्चे पूरे करने के लिए अभियुक्त द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर यह कृत्य किया गया ।

बगरैन में सचिव पर चहेतों को डीएपी बांटने का आरोप, किसानों में रोष

वदायूँ। वजीरगंज क्षेत्र की साधन सहकारी समिति बगरैन के सचिव देवेन्द्र यादव ने अपने चहेतों को डीएपी का वितरण कर दिया। इससे अन्य किसान डीएपी से वंचित रह गए। पूर्व वितरण समाप्त होने और दुबारा से वितरण शुरू न होने से किसान परेशान दिखे। बुवाई का कार्य पिछड़ न जाए इसके लिए किसानों को बाजार से डीएपी खरीदनी पड़ रही है ।

साधन सहकारी समिति बगरैन से एक दर्जन से अधिक

सहित अन्य गांव जुड़े है। इन गांवों के किसान इसी समिति से खाद और बीज प्राप्त कर खेती किसानी करते है। किसानों का आरोप है कि इस समिति के सचिव के कुछ चहेते लोग है, जो

क्षैत्रों में रहकर खेती करते है, आने के साथ ही इन चहेतों को डीएपी वितरित कर दी गई।इसके चलते समिति के सदस्य किसानों को डीएपी नहीं मिल पाई। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य किसान भी डीएपी से वंचित रह गए। उन्हें बाजार से महंगी डीएपी की खरीद करनी पड़ी है। किसानों ने इस मामले की शिकायत जिलाधिकारी से

कर जांच कराने की मांग की है।

इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी से बात करनी चाहीं उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

दिल्ली से बैरंग पटना लौटे मुकेश सहनी, डिप्टी सीएम की महत्वाकांक्षा का हो गया गेम ओवर?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले फेज की वोटिंग 6 नवंबर को होने वाली है। अब एक महीने से भी कम वक्त बचा है और महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर ही अब तक सहमति नहीं बनी है। इस बीच वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी दिल्ली से पटना लौट गए हैं। सूत्रों के हवाले से ऐसी खबर आ रही है कि वीआईपी इस बार सीट शेयरिंग में सबसे ज्यादा घाटे में रहने वाली है। उनकी किसी भी मांग पर अब तक तेजस्वी यादव और कांग्रेस ने सहमति नहीं जताई है। दिल्ली से भी वह बैरंग ही लौटे हैं।

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस की 60 सीटों पर बात बन गई है। लेफ्ट पार्टियों को 30 सीटें मिलेंगी, जबकि वीआईपी को 15 सीटें मिलेंगी। जेएमएम को दो और क्क्ध को एक सीट देने पर विचार हुआ है। हालांकि, जेएमएम ने भी कहा है कि सम्मानजनक सीट नहीं मिली, तो अपने अलग रास्ते चुनने के लिए हम स्वतंत्र है।

- मुकेश सहनी ने पहले 18 सीटों की मांग की थी, जो कि अब कम करके 15 कर दी गई है। सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि वीआईपी को इससे ज्यादा कुछ देने के मूड में न तो कांग्रेस है और न ही आरजेडी।
- सहनी ने मीडिया में कहा था कि अगर उन्हें डिप्टी सीएम का उम्मीदवार बना दिया जाता है, तो वह कम सीटों पर भी समझौता कर सकते हैं। हालांकि, उनकी इस मांग को भी नहीं माना गया है।
- आरजेडी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वीआईपी की ज्यादातर सीटों पर उम्मीदवार उनकी पसंद का ही होगा। अब मौजूदा हालात में ऐसा लग रहा है कि सहनी पूरी तरह से खाली हाथ हैं और उनके पास चुनाव के बाद भी बहुत सीमित ताकत ही रहेगी।

मुकेश सहनी की जिस तरह से महागठबंधन में अनदेखी हुई है उसके बाद उनके भी पाला बदलने की संभावना पर बात हो रही है। हालांकि, दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीट शेयरिंग पर कोई मनमुटाव नहीं है। हम एक-दो दिन में औपचारिक ऐलान कर देंगे। दूसरी ओर राजनीतिक विश्लेषक कह रहे हैं कि इससे इनकार नहीं किया जा सकता है कि सहनी पाला बदलकर फिर एनडीए में चले जाएं। एनडीए में अब उन्हें अडजस्ट करना मुश्किल होगा।

कोयले की चमक में बुझते झारखंड के सपने

(जीएनएस)।

लखनऊ। झारखंड नाम में ही झाड़ और खंड का संगम है। जंगल और धरती का टुकड़ा जो प्रकृति की गोद में बसा एक अद्भुत भूभाग है। परंतु विडंबना यह है कि जिस धरती को भगवान ने खनिजों का स्वर्ग बनाया, उसी धरती पर आज युवाओं का भविष्य बंजर होता जा रहा है। लोहा, कोयला, यूरेनियम, बॉक्साइट, सोना, चूना पत्थर, अभ्रक और तांबे जैसे खनिजों से भरा यह प्रदेश अपनी समृद्धि के बावजूद दरिद्रता, बेरोजगारी और पलायन का पर्याय बन गया है। यह वही झारखंड है जो भारत की ऊर्जा का पेट भरता है, पर उसके अपने घरों में अंधकार पसरा है। यह वही राज्य है जहां कोयले की गंध के बीच युवाओं के सपने राख हो जाते हैं। झारखंड की धरती को ईश्वर ने वह सब दिया जो किसी भी सभ्यता को समृद्ध कर सकता था। जल, जंगल और जमीन की त्रिवेणी। पर आज यही त्रिवेणी विनाश का प्रतीक बनती जा रही है। यहां का खनन उद्योग, जो कभी रोजगार और विकास का प्रतीक माना गया था, अब असमानता, विस्थापन और पर्यावरणीय विनाश का पर्याय बन गया है। सरकारें बदलती रहीं, योजनाएं आईं, नीतियां बनीं, पर युवाओं के जीवन में स्थायित्व नहीं आया। खनिज संपदा का प्रवाह पूंजीपतियों की तिजोरियों में सिमट गया, जबकि स्थानीय युवाओं के हिस्से में बेरोजगारी और असुरक्षा आई। खनिज संपदा का यह खेल किसी आर्थिक नीति का परिणाम भर नहीं बल्कि एक मानसिकता का प्रतीक है, जिसमें राज्य के संसाधनों को राज्य की जनता का अधिकार नहीं माना गया। यह विकास का वह मॉडल है जो स्थानीयता को कुचलकर औद्योगिक विस्तार को राष्ट्रनिर्माण का नाम देता है। खनन कंपनियां जंगलों को काटकर धरती की छाती चीरती हैं, नदियां सूखती हैं, गांव उजड़ते हैं और अंततः युवाओं के पास बचता है केवल धूल भरी सड़कें और टूटे हुए सपनों की विरासत। झारखंड के युवा जो कभी अपने खेतों में काम करते थे

या जंगलों में प्रकृति के साथ जीते थे, आज विस्थापित हो चुके हैं। उनका जीवन ठेकेदारों की दया पर निर्भर है। कोयले की खदानों में दम घोंटती हवा के बीच वे कुछ रुपये की मजदूरी पर दिन गुजारते हैं। उनके शरीर पर खदान की कालिख है और मन पर असुरक्षा की मोटी परत। यह वह पीढ़ी है जो खनिजों की चकाचौंध में अपनी पहचान खो रही है।संसाधनों की यह लूट केवल आर्थिक नहीं है, यह सांस्कृतिक भी है। जब कोई खदान खुलती है तो उसके साथ खुलता है एक नया अध्याय जिसमें गांव की मिट्टी विस्थापित होती है, पेड़ उजड़ते हैं और पुरखों के स्मारक मिट्टी में समा जाते हैं। आदिवासी संस्कृति जो झारखंड की आत्मा है, धीरे-धीरे कॉरपोरेट विकास की मशीनों के नीचे दबती जा रही है। पर विकास का यह भ्रम कितना टिकाऊ है, जब स्थानीय लोग ही विस्थापित होंगे तो उस विकास की आत्मा कौन बचाएगा। खनिज संपदा का दोहन झारखंड की राजनीति का भी सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। सत्ता की कुर्सियां अक्सर उन्हीं के इर्दगिर्द घूमती हैं जो इन खदानों से निकले लाभ के हिस्सेदार होते हैं। नीतियां ऐसी बनाई जाती हैं जो कॉरपोरेट्स के लिए आसान हों लेकिन जनजातीय युवाओं के लिए जटिल। परिणाम यह है कि यहां की नई पीढ़ी बेरोजगारी के दलदल में फंसी है। सरकारी नौकरियां घटती जा रही हैं और निजी क्षेत्र में अवसर सीमित हैं। एक तरफ रांची, धनबाद, बोकारो और चाईबासा के आसमान में खनिज उद्योगों की चिमनियां धुआं उगलती हैं, वहीं दूसरी तरफ गांवों में शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। तकनीकी शिक्षा की पहुंच न के बराबर है। इससे स्थानीय युवाओं के पास आधुनिक उद्योगों में काम करने की योग्यता नहीं बन पा रही है। बाहरी लोग इन पदों पर आसीन हो जाते हैं और स्थानीय लोग मजदूरी तक सीमित रह जाते हैं। खनिज संपदा ने यहां की धरती का सीना चीर दिया है, पर उस चीरन से विकास की रोशनी नहीं बल्कि निराशा की धूल निकली है। नदियां अब जहरीले रसायनों से भर चुकी हैं। खेतों में कोयले की राख गिरती है। हवा में उड़ते कण बच्चों के फेफड़ों में घर बना चुके हैं। फिर भी इसे विकास कहा जाता है। यह विकास वह दर्पण है जिसमें अमीर की समृद्धि झलकती है और गरीब की हड्डियां सूखती हैं। यहां के युवाओं के लिए खनिज संपदा का दूसरा नाम विस्थापन है। जो गांव खदानों के पास हैं, वहां के बच्चे स्कूल छोड़ने को मजबूर हैं क्योंकि हर कुछ महीनों में विस्फोटों से धरती

इंडियन आर्मी ने नापाक इरादों को फिर किया नाकाम, घुसपैठ की कोशिश में 2 आतंकी ढेर

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकियों की नापाक कोशिशों का गवाह बना । लेकिन इस बार भी भारतीय सेना ने अपने अदम्य साहस और सतर्कता से दुश्मनों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर में सोमवार शाम सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को ढेर कर दिया।

सेना के मुताबिक, इलाके में संदिग्ध हलचल दिखाई देने पर जब जवानों ने कार्रवाई की, तो आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकी मारे गए और इलाके से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए। भारतीय सेना ने बताया

कि दो आतंकियों को मार गिराया गया है। सेना ने संदिग्ध हलचल दिखने पर गोलीबारी की, जिसके बाद दोनों आतंकी मारे गए।

खुफिया जानकारी पर शुरू हुआ ऑपरेशन

भारतीय सेना ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस (JKP) और अन्य एजेंसियों से मिली पक्की सूचना के आधार पर माछिल सेक्टर में संयुक्त अभियान चलाया गया। यह अभियान 13 अक्टूबर की शाम को शुरू हुआ था। सेना के जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और उन्हें चुनौती दी, जिस पर आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकी ढेर हो गए। सेना के मुताबिक, मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। फिलहाल इलाके में तलाशी अभियान जारी है ताकि किसी और आतंकी की मौजूदगी की पुष्टि की जा सके।

अमित शाह ने दिए सख्त निर्देश

वहीं दूसरी ओर, केंद्र सरकार ने भी सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को निर्देश दिया है कि सर्दियों के मौसम में भी सीमा पर चौकसी में कोई ढिलाई न हो। शाह ने कहा कि बर्फबारी और खराब मौसम का फायदा उठाकर आतंकियों को घुसपैठ करने का कोई मौका नहीं मिलना चाहिए।

उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया फैसला

दिल्ली में हुई उच्च स्तरीय बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गृह सचिव, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक, सेना प्रमुख, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में केंद्र और राज्य एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया ताकि सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत की जा सके।

आबकारी मंत्री से की जायसवाल समाज के प्रतिनिधि मंडल ने की मुलाकात

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल से जयसवाल समाज के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट कर समाज से जुड़े संगठनात्मक, सामाजिक एवं व्यापारिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।बैठक के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने विभिन्न जनहित विषयों पर अपने सुझाव रखे और समुदाय के सशक्तिकरण तथा युवाओं के लिए रोजगार व व्यापारिक अवसरों के विस्तार पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा नेता शीलू जायसवाल, व्यापारी नेता राजेश सोनी, भाजपा नेता लखनऊ महानगर रवि प्रकाश जायसवाल, आकाश अग्रवाल, राजेश जायसवाल, भीम

जायसवाल, नितिन जायसवाल, अर्पित जायसवाल, अविनाश जायसवाल, आकाश जायसवाल, संतोष जायसवाल और सामाजिक कार्यकर्तागढ़ उपस्थित हुए।

वजीरगंज में रावण के नाभि में लगते ही लंकापति रावण का पुतला धू-धूकर जल उठा।

बदायूँ वजीरगंज में प्रभु श्रीराम ने अग्निवाण छोड़ा तो रावण के नाभि में लगते ही लंकापति रावण का पुतला धू-धूकर जल उठा। रावण के भूमि पर गिरते ही श्री राम के जयघोष से पूरा रामलीला मैदान गूंज उठा।

मंगलवार विशालकाय पुतले का दहन किया। इससे पहले मुख्य मेला दिवस पर मंच पर राम-रावण युद्ध व रावण वध की लीला का मंचन किया गया। पुतलों के जमीन पर गिरते ही लोग रावण की अस्थियां रूपी लकड़ी को लूटने टूट पड़े। इसमें कई लोग मामूली रूप से जल भी गए।आस पास क्षेत्र से आये दर्शक रावण वध देखने के लिए काफी भीड़ उपस्थित रही।

इस मौके पर राहुल वार्ष्णेय, रवि वार्ष्णेय, लोकेश वार्ष्णेय, विमलेश वार्ष्णेय, मुकेश वाष्णेय,योगेश वाष्णेय,रिधि प्रताप सिंह,राघव चौहान,अनुज सक्सेना आदि मौजूद रहे।